



इंटरनेशनल ऑर्गनाइज़ेशन फॉर लीगल मेट्रोलाजी

प्रलिस के लयि:

इंटरनेशनल ऑर्गनाइज़ेशन फॉर लीगल मेट्रोलाजी, लीगल मेट्रोलाजी, मीटर अभसिमय (Metre Convention), इंटरनेशनल ससि्टम ऑफ यूनटिस (SI), [फॉरेन एकसचेंज](#)

मेन्स के लयि:

भारत के लयि OIML प्रमाणन प्राधकिरण का महत्त्व

[स्रोत: पी.आई.बी.](#)

चर्चा में क्यो?

हाल ही में भारत 13वाँ ऐसा देश बन गया है जो OIML (इंटरनेशनल ऑर्गनाइज़ेशन फॉर लीगल मेट्रोलाजी) सर्टफिकेट जारी कर सकता है।

- उपभोक्ता मामले वभाग का लीगल मेट्रोलाजी डविज़न अब OIML प्रमाणपत्र जारी करने के लयि अधकृत है।

लीगल मेट्रोलाजी:

- लीगल मेट्रोलाजी, मेट्रोलाजी की एक शाखा को संदर्भति करती है जो वाणजियकि लेन-देन और अन्य क्षेत्रों में सटीकता, स्थरिता एवं नषिपकषता सुनशिचति करने के लयि माप और माप उपकरणों से संबधति वनियिमन तथा कानून पर ध्यान केंद्रति करती है जहाँ माप महत्त्वपूर्ण भूमकि नभिते हैं।
- मेट्रोलाजी माप और उसके अनुप्रयोग का वजिज्ञान है।
- कानूनी मेट्रोलाजी का प्राथमकि उद्देश्य माप के लयि स्पष्ट और समान मानक स्थापति करके उपभोक्ताओं एवं उत्पादकों दोनों के हतियों की रक्षा करना है।

नोट:

- CSIR-राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला (NPL-India), भारत का राष्ट्रीय मेट्रोलाजी संस्थान (NMI) है जो भारत में SI इकाइयों के मानकों को बनाए रखता है और वज़न तथा माप के राष्ट्रीय मानकों को कैलिब्रिट करता है।

इंटरनेशनल ऑर्गनाइज़ेशन फॉर लीगल मेट्रोलाजी (OIML):

- परचिय:
 - OIML की स्थापना वर्ष 1955 में हुई थी और इसका मुख्यालय पेरसि में है।
 - यह एक अंतर्राष्ट्रीय मानक-नरिधारण नकियाय है जो कानूनी मेट्रोलाजी अधकिारयियों और उद्योग द्वारा उपयोग के लयि मॉडल नयिमों, मानकों तथा संबधति दस्तावेज़ों को वकिसति करता है।
 - यह नैदानकि थर्मामीटर, अल्कोहल साँस वशिलेषक (Alcohol Breath Analysers), रडार गति मापने वाले उपकरण, बंदरगाहों पर पाए जाने वाले जहाज़ टैंक और पेट्रोल वतिरण इकाइयों जैसे मापन उपकरणों के प्रदर्शन परराष्ट्रीय कानूनों एवं वनियिमों को सुसंगत बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमकि नभिता है।
- भारत की सदस्यता:

- भारत वर्ष 1956 में OIML का सदस्य बना। उसी वर्ष भारत ने मीटर अभसिमय पर हस्ताक्षर किये।
 - वर्ष 1875 का मीटर अभसिमय, जसि औपचारिक रूप से मीटर अभसिमय या मीटर संघा के रूप में जाना जाता है, एक अंतरराष्ट्रीय संघा है जसि पर 20 मई, 1875 को पेरसि, फ्रांस में हस्ताक्षर किये गए थे।
 - इस दनि **वशिव मेटरोलॉजी दविस** अर्थात् **वशिव मापकी दविस** मनाया जाता है।
 - इसने इंटरनेशनल ससिस्टम ऑफ यूनिट्स (SI) की स्थापना की, जो मीटरकि प्रणाली का आधुनिक रूप है।

■ OIML प्रमाणपत्र:

- OIML-CS डिजिटल बैलेंस, कलनिकिल थर्मामीटर इत्यादि जैसे उपकरणों के लिये OIML प्रमाणपत्र और उनके संबंधित OIML प्रकार के मूल्यांकन/परीक्षण रिपोर्ट जारी करने, पंजीकृत और उपयोग करने की एक प्रणाली है।
- अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में वज़न या माप की बरकी का OIML पैटर्न अनुमोदन प्रमाणपत्र होना अनविर्य है। यह दुनिया भर में स्वीकृत एकल प्रमाणपत्र है।
- भारत के शामिल होने के साथ OIML प्रमाणपत्र जारी करने के लिये अधिकृत देशों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। वे देश जो OIML प्रमाणपत्र जारी कर सकते हैं:
- ऑस्ट्रेलिया, स्विट्ज़रलैंड, चीन, चेक गणराज्य, जर्मनी, डेनमारक, फ्रांस, यूके, जापान, नीदरलैंड, स्वीडन और स्लोवाकिया (और अब भारत भी)।

OIML प्रमाणपत्र प्राधिकरण बनने का भारत के लिये महत्त्व:

- **नरियात में आसानी:** उदाहरण के लिये मान लीजिये कि नोएडा में डिजिटल बैलेंस बनाने वाला एक उपकरण-नरिमाता है जो अमेरिका या कसिी अन्य देश में नरियात करना चाहता है। इससे पहले, उसे प्रमाणन के लिये अन्य 12 (योग्य) देशों में से एक के पास जाना आवश्यक होगा।
 - अब प्रमाणपत्र भारत में जारी किये जा सकते हैं और इसके द्वारा प्रमाणित उपकरण नरियात योग्य (अतरिकित परीक्षण शुल्क के बनिा) होंगे और पूरी दुनिया में स्वीकार्य होंगे।
- **बेहतर वदिशी मुद्रा:** इस कदम से भारतीय अर्थव्यवस्था को कई मायनों में मदद मिलने की उम्मीद है, जसिमें नरियात में वृद्धि, **वदिशी मुद्रा की कमाई** और **रोज़गार सृजन** शामिल है।
 - चूँकि इसके लिये केवल 13 देश ही अधिकृत हैं, इसलिये पड़ोसी देश और नरिमाता प्रमाणीकरण कराने के लिये भारत आ सकते हैं। इसलिये यह वदिशी मुद्रा के मामले में भारत के लिये राजस्व अर्जक होगा।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/international-organization-of-legal-metrology>

